2/103 **2305E839** Candidate's Seat No :_____

B.A. (Sem.-V) Examination

CC 305 EB Hindi

Time : 3 Hours] **May-2017** **[Max. Marks : 70**

सूचनाएँ : (1) किसी भी प्रश्न के सभी विभागों के उत्तर एक साथ लिखें।
(2) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर एक शब्द में न लिखकर पूरे वाक्य में लिखें।

प्रश्न 1. दुष्यंत कुमार के व्यक्तित्व और कृतित्व का संक्षिप्त परिचय दीजिए। *(14)*

अथवा

दुष्यंत कुमार के रचनात्मक वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2. 'सूर्य का स्वागत' कविता के आधार पर बताइए कि निराशा और अवसाद से भरे जीवन में सूर्य का उदित होना आशा और विश्वास की नई किरण पैदा करता है। *(14)*

अथवा

'आवाजों के घेरे' कविता में कवि ने दिखावे पर कड़ा कटाक्ष करते हुए पाखंड को दुरस्त करने का संदेश दिया है, उदाहरण देकर समझाइए।

प्रश्न 3. संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए- *(14)*

(अ) दक्ष का प्रतिरोध

अथवा

(अ) सर्वहित की प्रतीकात्मकता

(ब) एक कंठ विषपायी का कथानक

अथवा

(ब) एक कंठ विषपायी में आधुनिकता बोध

प्रश्न 4. संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। *(14)*

(अ) मौलवी से डाँट खाकर अहले मकतब,
फिर उसी आयात को दोहराने लगे हैं।
अब नयी तहजीब के पेशे-नजर हम,
आदमी को भूनकर खाने लगे हैं।

अथवा

(अ) रहनुमाओं की अदाओं पे फिदा है दुनिया,
इस बहकती दुनिया को सँभालो यारो।

(ब) मैं बहुत कुछ सोचता रहता हूँ पर कहता नहीं,
बोलना भी है मना, सच बोलना तो दरकिनार।
इस सिरे से उस सिरे तक सब सरीके जुर्म हैं,
आदमी या तो जमानत पर रिहा है या फ़रार।

अथवा

(ब) धीरे धीरे भीग रहीं हैं सारी ईंटें पानी में,
इनको क्या मालूम कि आगे चलकर इनका क्या होगा।

(P.T.O)

प्रश्न 5. सूचनानुसार उत्तर दीजिए। (14)

(अ) निम्नलिखित विधानों को फिर से लिखकर सही या गलत का निशान लगाइए।

1. दुष्यंत कुमार नयी कविता के कवि माने जाते हैं।
2. और मसीहा मर गया दुष्यंत कुमार की नाट्यकृति है।
3. साये में धूप दुष्यंत कुमार का निबंध-संग्रह है।
4. तुलना कविता में वर्तमान राजनीति पर तीखा व्यंग्य किया गया है।
5. सूर्य का स्वागत काव्य संग्रह सन् 1957 में प्रकाशित हुआ था।

(ब) सही विकल्प चुनकर गजल/काव्य पंक्तियों को पूर्ण कीजिए।

1. अब तो इस तालाब का पानी बदल दो, ये कँवल के फूल ..... लगे हैं।
(मुरझाने, कुम्हलाने, मचलाने)
2. कैसे आकाश में सूराख नहीं हो सकता, एक ..... तो तबीयत से उछालो यारो।
(कंकड़, गोली, पत्थर)
3. एक कबूतर ..... लेकर पहली पहली बार उड़ा, मौसम उक गुलेल लिए था पट से नीचे आन गिरा।
(तिनका, रोटी, चिट्ठी)
4. अब किसी को भी नजर आती नहीं कोई दरार, ... की हर दीवार पर चिपके हैं इतने इश्तहार।
(घर, शहर, गाँव)
5. मनुष्यों जैसी, ... की चीखें और कराहें गूँज रही हैं।
(भेड़ियों, फरिश्तों, पक्षियों)

(क) सुमेलित कीजिए।

1. परिणय नारी की परिणति है	1. दक्ष
2. सारे भद्र लोक से उसे, बहिष्कृत करके छोड़ूँगा	2. वीरणी
3. शासक की भूलों का उत्तरदायित्व प्रजा को वहन करना पड़ता है	3. शंकर
4. मैं तो समझता था धन के दृष्टि नहीं होती	4. सर्वहत